नगालैंड भाषायी दृष्टकोिण से सबसे ववििधितापूर्ण राज्य

चर्चा में क्यों?

जनगणना 2011 के आँकड़ों के अनुसार नगालैंड भाषा के दृष्टकोिण से भारत का सबसे धनी राज्य है, जबकि केरल सबसे कम ववििधितापूर्ण राज्य है। यह वशि्लेषण Herfindahl-Hirschman Index – HHI पर आधारति है। यह वशि्लेषण दो अक्षों भाषा और बोली के आधार पर कयिा गया है।

प्रमुख बदिु:

- जनगणना 2011 के आँकड़े भाषा के दो स्तरों की चर्चा करते हैं- भाषा (language) और मातृभाषा (mother tongue)। इसे 'प्रमुख भाषा' (major languge) और 'गौण भाषा' (minor language) या भाषा और बोली के रूप में भी वर्णति कयिा जा सकता है।
- नगालैंड में भाषा और बोली दोनों ही अक्षों पर स्पष्टतौर पर अधकि ववििधिता देखने को मलिती है।
- 2011 की जनगणना के आँकड़ों के आधार पर, नगालैंड में प्रभावी रूप से 14 भाषाएँ और 17 बोलयिाँ बोली जाती है जनिमें कोन्याक (konyak) सबसे अधकि बोली जाती है। कोन्याक की भागीदारी राज्य में 46% है। दूसरी ओर, केरल में 1.06 भाषाएँ प्रभावी हैं। वर्ष 2014 के अनुसार, राज्य के लगभग 97 % नविासयिों की मातृभाषा मलयालम है।
- इन आँकड़ों में सबसे रोचक बात हदिी भाषी राज्यों से संबंधति है, जहाँ लोगों द्वारा प्रभावी रूप से बोली जाने बोलयिों की संख्या भाषाओं की संख्या से काफी आगे है। उदाहरण के लयिे हमिाचल प्रदेश में 1.03 भाषाएँ प्रभावी हैं और 86% आबादी की मातृभाषा हदिी है। फरि जब इसे बोलयिों में वभिाजति करते हैं तो पता चलता है कि यहाँ 6 प्रभावी भाषाएँ हैं, जसिमें पहाड़ी (हदिी की एक बोली) सबसे अधकि प्रभावी है और यह 32% आबादी द्वारा बोली जाती है।
- इसी तरह, भाषा के आधार पर मापने से बहिार में 78% लोगों द्वारा हदिी बोली जाती है, लेकनि जब इसे बोली के आधार पर वभिाजति करते हैं तो यह आँकड़ा समिटकर 26% तक रह जाता है और भोजपुरी राज्य में सबसे प्रमुख बोली के रूप में उभरती है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाषा के स्तर पर हदिी अधकि प्रभावी है, लेकनि बोली के स्तर पर क्रमशः राजस्थानी और छत्तीसगढ़ी प्रमुख हो जाती है।
- अरुणाचल प्रदेश जैसे छोटे राज्यों में मुख्य रूप से बोली जाने वाली भाषाओं को छोड़ दें तो उपर्युक्त भाषाओं में हदिी एकमात्र भाषा है जो कई मुख्य बोलयिों में वभिाजति हो जाती है, जो प्रश्न उत्पन्न करती है कि "हदिी क्या है"।

Herfindahl - Hirschman Index – HHI के बारे में:

- यह एक औद्योगकि अर्थशास्त्र की एक अवधारणा है, जसिे मूलतः एक उद्योग में एकाधकिार या प्रतस्पिर्द्धा की डगि्री को मापने के लयिे वकिसति कयिा गया है। HHI को कसिी उद्योग में प्रत्येक कंपनी की बाज़ार हस्सिेदारी के वर्ग के योग के रूप में परभिाषति कयिा जाता है।
- कसिी उद्योग की आदर्श प्रतस्पिर्द्धात्मकता के लयिे HHI का मान शून्य के करीब होता है और HHI का मान 1 होना एकाधकिार को दर्शाता है।
- HHI का वपिरीत मान एक उद्योग में "फर्मों की प्रभावी संख्या" का अनुमान प्रस्तुत करता है। इस संदर्भ में मान 1 एकाधकिार और मान अनंत (∞) पूरी तरह प्रतस्पिर्द्धी उद्योग की स्थति को दर्शाता है।
- इस अवधारणा को अर्थशास्त्र के अन्य क्षेत्रों में भी प्रयुक्त कयिा गया है। उदाहरण के लयिे HHI के सूत्र को उलटकर प्रयोग करने से कसिी चुनाव में दलों (मतों) की प्रभावी संख्या को मापा जा सकता है। इसी तरह इसका प्रयोग कसिी राज्य में भाषाओं की प्रभावी संख्या ज्ञात करने में कर सकते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nagaland-linguistic-approach